



EXPORT PROMOTION COUNCIL FOR HANDICRAFTS

EPCH HOUSE, POCKET 6 & 7, SECTOR 'C', LOCAL SHOPPING CENTRE, VASANT KUNJ, NEW DELHI-110070

Tel: 91-11-26135256 / 57 / 58

Email: mails@epch.com

Fax: 91-11-26135518,26135519

web: www.epch.in

PRESS RELEASE

THEME PAVILIONS ARE CENTER OF ATTRACTIONS AT IFJAS 2018

BUYERS SEEN BUSY IN DOING BUSINESS ON 2ND DAY OF THE SHOW

Greater Noida – 17th July, 2018 Shri Rakesh Kumar, ED – EPCH informed that during 11th edition of Indian Fashion jewellery & Accessories show [IFJAS] EPCH has set up thematic show on fashion jewellery and accessories from the craft clusters located in Northern Region, Central Region, Western Region, North Eastern Region, Eastern Region and Uttarakhand state to promote, market as well as create awareness for these sectors about their unique designs, raw material and finishes. Such participation are vital in order to avail the opportunity and to increase the span of export market as well as brand building of regional craft clusters where manufacturers, craftspersons get opportunity to display their products in such exhibition.

Brass Engraving Jewellery, Bangles, Ring & Ear Ring, Glass Bead Jewellery, Necklace, Bracelets, Beaded Purse, Pouch, Fashion Bags, Imitation jewellery, Wooden Jewellery, Silver jewellery are on display from central region,

Beads Jewellery, Silk stole & Dress material, Bamboo jewellery & Artistic Textiles, Bags, Tribal Jewellery, Kauna Natural Fibre Bags & Accessories, Baskets , Handmade textile, Corn Husk weaving, jewellery box from North east region .

Bangles, Ear Rings, Necklace, Stoles, wooden jewellery, caps, socks, button cufflinks, handmade artistic jewellery, silk wool traditional stoles, bracelets, lac bangles, leather bags, footwear, belts & purses, beads jewellery, clutch bags, clutch purses, fashion bags, scarves, shawls, bone jewellery from northern region. Likewise fashion jewellery and accessories are on displayed from other regions also.

The specific display of these products would not only enable the prime producers to explore export opportunity but also would give exposure to the crafts persons/entrepreneurs engaged with the fashion industry at the ground level to learn the market technicalities according to requirement of the foreign buyers.

IFJAS is a B2B show where foreign buyers, importers, Buying Agents wholesalers etc. are only allowed to visit the fair for procuring the products for their requirements from Indian market. Hence, the objective of such participation by the artisans from the craft clusters is to promote the prevailing fashion jewellery products of the these regions. This would serve twin purpose of exploring exports, creating awareness and enlarging export market of the products of these regions and generate employment in the craft clusters.

For more information, please contact :
Shri Rakesh Kumar, ED – EPCH = +91-9818272171

For more information, please contact:
Mr. Rakesh Kumar, Executive Director–EPCH - +91-**9818272171**

प्रेस विज्ञप्ति

THEME PAVILIONS ARE CENTER OF ATTRACTIONS AT IFJAS 2018

ग्रेटर नोएडा- 17 जुलाई 2018- ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक श्री राकेश कुमार ने सूचित किया कि 11वें भारतीय फैशन जूलरी एवं एक्सेसरीज शो (आईएफजेएस) के दौरान ईपीसीएच ने उत्तरी क्षेत्र, सेंट्रल क्षेत्र, पश्चिमी क्षेत्र, पूर्वोत्तर क्षेत्र, पूर्वी क्षेत्र और उत्तराखंड राज्य के शिल्प समूहों (क्लस्टर) को बढ़ावा देने और मार्केटिंग के लिए वहां की फैशन जूलरी एवं एक्सेसरीज पर आधारित थीम पवेलियन स्थापित किए हैं ताकि इन सेक्टरों के अनोखे डिजाइन, कच्चे माल और उत्पादों की जानकारी दी जा सके.

अवसरों का लाभ उठाने और निर्यात बाजार की सीमा बढ़ाने के साथ-साथ क्षेत्रीय शिल्प समूहों की ब्रैंड बिल्डिंग के लिए ऐसी भागीदारी महत्वपूर्ण हैं, जहां उत्पादकों और शिल्पकारों को इस तरह के मेले में अपने उत्पादों को प्रदर्शित करने का अवसर मिलता है.

श्री राकेश कुमार ने कहा कि सेंट्रल क्षेत्र से पीतल नक्काशी, जूलरी, कंगन (चूड़ी), अंगूठी एवं कान की बाली, ग्लास बीड जूलरी, नेकलेस, ब्रेसलेट, मोतियों से सजे पर्स, पाउच, फैशन बैग्स, कृत्रिम जूलरी, काष्ठ जूलरी, सिल्वर जूलरी इस मेले में प्रदर्शित की जा रही हैं.

पूर्वोत्तर क्षेत्र से बीड्स जूलरी, सिल्क स्टोल एवं ड्रेस मटीरीअल, बांस के जूलरी एवं कलात्मक कपड़े, बैग, आदिवासी (ट्राइबल) जूलरी, कउना (एक प्रकार की बैत) प्राकृतिक फाइबर बैग एवं एक्सेसरीज, बास्केट, हस्तनिर्मित कपड़े, मकई की भूसी से बुनाई और जूलरी बॉक्स.

उत्तरी क्षेत्र कंगन, कान की बाली, नेकलेस, स्टोल, काष्ठ जूलरी, टोपियां, मोजे, बटन कफलिंग, हस्तनिर्मित कलात्मक जूलरी, पारंपरिक सिल्क स्टोल, ब्रेसलेट, लहठी (लाह की चूड़ियां), चमड़े के बैग, फुटवियर, बेल्ट एवं पर्स, बीड्स जूलरी, क्लच बैग्स, फैशन बैग्स, स्कार्फ, शॉल और बोन जूलरी.

उन्होंने कहा कि इसी प्रकार अन्य क्षेत्रों से भी फैशन जूलरी एवं एक्सेसरीज प्रदर्शित की जा रही हैं.

इन उत्पादों की विशेष प्रदर्शनी न केवल प्रमुख निर्यातकों को इनके निर्यात के अवसर का पता लगाने में समर्थ बनाएगी, बल्कि इस फैशन उद्योग से बुनियादी स्तर पर जुड़े शिल्पकारों/उद्यमियों को भी विदेशी खरीदारों की जरूरतों के मुताबिक बाजार की तकनीक सीखने का अवसर मिलेगा.

आईएफजेएस एक बीटूबी शो है जहां विदेशी खरीदार, आयातक, खरीद एजेंट्स, थोक व्यापारी इत्यादि को ही भाग लेने और अपनी जरूरतों की पूर्ति के लिए मौका दिया जाता है. इसलिए, शिल्प समूहों के कारीगरों की ऐसी भागीदारी का उद्देश्य उपरोक्त क्षेत्रों के मौजूदा फैशन उत्पादों को बढ़ावा देना है. This kind of Setting up of थीम पवेलियन, निर्यात की सीमा को बढ़ाना, जागरूकता पैदा करना, इन क्षेत्रों के उत्पादों के निर्यात बाजार में वृद्धि और शिल्प समूहों में रोजगार पैदा करने के दोहरे उद्देश्य की पूर्ति करता है.

कृपया विस्तृत जानकारी के लिए संपर्क करें:

श्री राकेश कुमार, कार्यकारी निदेशक, ईपीसीएच- +91-9818272171